गरवी गुजरात

RNI No.: UPHIN/25/A1697

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 095
दि. 03.08.2025,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

पीएम मोदी ने वाराणसी में लगभग 2,200 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन किया

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज उत्तर प्रदेश के वाराणसी में लगभग 2,200 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सावन के पावन माह में वाराणसी के परिवारों से मिलकर उनसे अपनी हार्दिक भावनाएं व्यक्त की। वाराणसी के लोगों के साथ अपने गहरे भावनात्मक जुड़ाव का उल्लेख करते हुए, श्री मोदी ने शहर के प्रत्येक परिवार के सदस्य के प्रति अपना आदरपूर्वक अभिवादन किया। श्री मोदी ने सावन के पावन महीने में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देश भर के किसानों से जुड़ने पर भी संतोष व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह उनकी वाराणसी की पहली यात्रा है। उन्होंने 22 अप्रैल को

पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को याद करते हुए कहा कि इसमें 26 निर्दोष लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। श्री मोदी ने पीड़ित परिवारों, विशेषकर इस त्रासदी से प्रभावित बच्चों और बेटियों के दुःख को भी साझा किया। उन्होंने कहा कि उनका हृदय इस दुःख से अत्यंत व्याकुल है और प्रधानमंत्री ने बताया कि उस दौरान उन्होंने बाबा विश्वनाथ से सभी शोक संतप्त परिवारों को यह कष्ट सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि बेटियों के सिंदूर का बदला लेने का उनका वादा पूरा हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह भगवान महादेव के आशीर्वाद से ही संभव हुआ है और उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को भगवान महादेव के चरणों में समर्पित किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि हाल के दिनों में, वे वाराणसी में शिव भक्तों की दिव्य छवियां देख रहे थे, विशेषकर सावन के पहले सोमवार को, जब तीर्थयात्री बाबा विश्वनाथ का पवित्र जलाभिषेक करने के लिए निकलते हैं। उन्होंने गौरी केदारनाथ से अपने कंधों पर पवित्र गंगाजल लाते यादव बंधुओं के मनोरम दृश्य का उल्लेख करते हुए इसे बेहद मनमोहक बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि डमरू की ध्वनि के साथ गलियों में जीवंत ऊर्जा का वातावरण अलौकिक था। श्री मोदी ने सावन के पवित्र महीने में बाबा विश्वनाथ और मार्कंडेय महादेव के दर्शन करने की अपनी व्यक्तिगत इच्छा व्यक्त की।

सावन में सीएम योगी का पीएम मोदी को खास तोहफा; बनारस मेटल रिपोंसी क्राफ्ट शिवलिंग की जानिए खासियत

वाराणसीः (जीएनएस)।

सावन का पवित्र महीना चल रहा है. इस महीने में भगवान शिव की आराधना का विशेष महत्व है. शनिवार को वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सावन के महीने में भगवान विश्वनाथ और मार्कण्डेय महादेव के दर्शन की इच्छा तो जताई लेकिन, दर्शन नहीं कर पाए. उन्होंने इसकी वजह भी बताई.

पब्लिक को परेशानी से बचने के लिए सभा स्थल से ही भगवान विश्वनाथ को नमन कर लिया. इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक खास तोहफा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिया. सावन के पवित्र महीने में मुख्यमंत्री ने एक अद्भुत शिवलिंग और अरघा भगवान भोलेनाथ के सर्प और अन्य चीजों के साथ प्रधानमंत्री मोदी को तोहफे के तौर पर दिया, जो अपने आप में बेहद खास है.

इस खास गिफ्ट के बारे में पद्मश्री से सम्मानित जीआई विशेषज्ञ डॉ. रजनी कांत बताते हैं कि इस बार बहुत ही विशिष्ट उपहार मुख्यमंत्री ने काशी के संसद और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को काशी आगमन पर दिया है. यह जीआई रजिस्टर्ड बनारस मेटल रिपोंसी क्राफ्ट से निर्मित सम्पूर्ण शिवलिंग, पांच फन नाग, नंदी, प्रसाद, कलश में गंगा जल, त्रिशूल, चंदन भस्म और मीनाकारी की चौकी पर सुशोभित कलाकृति है.

18 इंच ऊंचाई और 15 इंच चौड़ाई की इस कलाकृति में काशी के तीन जीआई क्राफ्ट मेटल रिपोंसी क्राफ्ट, मीनाकारी और मेटल कास्टिंग क्राफ्ट का समागम है. जिसे धातु शिल्पी अनिल कसेरा, रघुनाथ कसेरा और मीनाकारी के अरुण कुमार वर्मा ने एक सप्ताह के निरंतर प्रयास से तैयार किया.

इसके बाद से समस्त शिल्पी समाज गौरवान्वित महसूस कर रहा है. यही जीआई की ताकत है कि आज प्रधानमंत्री ने काशी के सिल्क, भदोही की कालीन के साथ ही बुनकरों, शिल्पियों को आगे बढ़ाने के लिए स्वदेशी और लोकल से ग्लोबल का पुनः आह्वान किया.

संक्षिप्त समाचार

यशस्वी जायसवाल ने निकाली इंग्लैंड की हेकड़ी, ओवल में शानदार शतक जड़ बनाया अनोखा कीर्तिमान

इंग्लैंड के खिलाफ ओवल टेस्ट मैच के तीसरे दिन टीम इंडिया ने धांसू बैटिंग का प्रदर्शन करते हुए गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाकर रख दी। भारतीय टीम के लिए आकाश दीप और यशस्वी जायसवाल ने तिक्कत बैटिंग करते हुए रंग जमा दिया। जायसवाल ने धमाका करते हुए सैकड़ा जमा दिया। जायसवाल ने तीसरे दिन लंच के बाद आकर अपना शतक पूरा कर लिया। टेस्ट क्रिकेट में यह उनका छठा सैकड़ा है।

'मैं तो दंग रह गई' प्रज्वल रेवन्ना को मिली सजा तो प्रियंका को याद आया लंदन टूर का किस्सा

कर्नाटक से एक दिल दहला देने वाले सेक्स स्कैंडल केस में आखिरकार कोर्ट ने फैसला सुना दिया है। बेंगलुरु की एक विशेष अदालत ने शनिवार (2 अगस्त, 2025) को रेप

केस में पूर्व जेडीएस सांसद प्रज्वल रेवन्ना को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। प्रज्वल रेवन्ना को शुक्रवार, 1 अगस्त को 47 वर्षीय घरेलू सहायिका का बलात्कार करने का दोषी पाया गया था और आज अदालत ने रेवन्ना पर ₹5 लाख का जुमार्ना भी लगाया है, जो उन्हें पीड़िता को देना होगा।।

कैट गुवाहाटी को 40 साल बाद मिला अपना परिसर: डॉ. जितेंद्र सिंह ने इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर में तेजी से हो रहे बदलाव का प्रतीक बताया

(जीएनएस)।

आज गुवाहाटी में केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) के नए न्यायालय-सह-कार्यालय परिसर का उद्घाटन करते हुए, केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा प्रधानमंत्री कार्यालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने इस विकास को पिछले दशक में पूर्वोत्तर में हुए उल्लेखनीय बदलाव का प्रतिबिंब बताया।

देश की सबसे पुरानी पीठों में से एक, कैट की गुवाहाटी पीठ को अपनी स्थापना के लगभग 40 वर्ष बाद अब अपना समर्पित बुनियादी ढांचा मिल गया है।

असम के कैबिनेट मंत्री रंजीत कुमार दास, कैट के अध्यक्ष न्यायमूर्ति आर.के. मोरे, अन्य न्यायिक गणमान्य व्यक्तियों और कानूनी समुदाय के सदस्यों सहित एक सभा को संबोधित करते हुए, डॉ. जितेंद्र सिंह ने इस बात

पर जोर दिया कि 2014 के बाद से मोदी सरकार के फोकस की वजह से पूरे क्षेत्र में ठोस बदलाव आया है।

कैट के क्रमिक विकास पर प्रकाश डालते हुए, डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि यद्यपि इस ट्रिब्यूनल की स्थापना 1985 में सरकारी कर्मचारियों के लिए सुलभ और समयबद्ध न्याय सुनिश्चित करने के लिए की गई थी, फिर भी इसे दशकों तक लंबित मामलों और संचालन संबंधी बाधाओं से जूझना पड़ा। उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कार्यभार संभालने और पीठ को अपना भवन परिसर मिलने से पहले, गुवाहाटी पीठ को किराए के परिसर से काम करना पड़ता था।"

डॉ. जितेंद्र सिंह ने इस बदलाव को दर्शाने वाले आंकड़े प्रस्तुत किए: 1985 से कैट द्वारा निपटाए गए 8.88 लाख मामलों में से 2.54 लाख से ज्यादा मामले पिछले दस वर्षों में ही निपटाए गए—जो कुल निपटान का लगभग एक-तिहाई है। नवनिर्मित गुवाहाटी परिसर में भूकंपरोधी निर्माण, सीसीटीवी निगरानी और दिव्यांगों के लिए सुविधाओं जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं शामिल हैं।

अमृत उद्यान का ग्रीष्मकालीन वार्षिकोत्सव 16 अगस्त से 14 सितंबर तक जनता के लिए खुला रहेगा

अमृत उद्यान का ग्रीष्मकालीन वार्षिकोत्सव 16 अगस्त से 14 सितंबर, 2025 तक जनता के लिए खुला रहेगा। इस दौरान,

उद्यान सुबह 10:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक खुला रहेगा, और अंतिम प्रवेश शाम 5:15 बजे होगा। रखरखाव के कारण उद्यान सभी सोमवार को बंद रहेगा। राष्ट्रीय खेल दिवस और शिक्षक दिवस के अवसर पर क्रमशः 29 अगस्त को एथलीटों और खिलाड़ियों को तथा 5 सितम्बर को शिक्षकों को अमृत उद्यान में विशेष प्रवेश दिया जायेगा।आगंतुकों के लिए प्रवेश और निकास नॉर्थ एवेन्यू मार्ग के पास स्थित गेट संख्या 35 से होगा। अमृत उद्यान में प्रवेश निःशुल्क होगा। आगंतुक ऑनलाइन अपना स्लॉट बुक कर सकते हैं।

प्रत्यक्ष आगंतुक गेट संख्या 35 के बाहर स्थित स्वयं-सेवा कियोस्क का उपयोग करके पंजीकरण करा सकते हैं।

आगंतुक उद्यान के अंदर मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक चाबियां, पर्स, हैंडबैग, पानी की बोतलें, बच्चों की दूध की बोतलें और छाते ले जा सकते हैं। इनके अलावा, कोई अन्य वस्तु ले जाने की अनुमति नहीं होगी।

तेजस्वी याद का ये दावा भी निकला झूठा! भाजपा बोलीं- तेजस्वी ने किया बड़ा घपला, दो-दो वोटर कार्ड बनवाए होंगे

(जीएनएस)।

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के दावे को चुनाव आयोग ने सिरे से खारिज कर दिया है। इसके बाद तेजस्वी यादव द्वारा पूर्व आईएएस अधिकारी के वोटर आईडी को लेकर किए गए गए दावे को चुनाव आयोग ने फिर खारिज कर दिया है।

बता दें यादव लगातार इस मुद्दे पर आयोग पर सवाल उठा रहे हैं, लेकिन आयोग ने उनके हालिया आरोपों को निराधार बताया है। तेजस्वी यादव के पहले अपना नाम मतदाता सूची से हटाए जाने के दावा किया था इसके बाद तेजस्वी यादव ने शनिवार को एक पूर्व आईएएस अधिकारी व्यास जी की सोशल मीडिया पोस्ट साझा करते हुए दावा किया था कि अधिकारी और उनकी पत्नी का नाम भी मतदाता सूची से गायब है।

हालांकि, चुनाव आयोग ने इस दावे का खंडन करते हुए स्पष्ट किया है कि व्यास जी और उनकी पत्नी, दोनों के नाम 1 अगस्त, 2025 को प्रकाशित मसौदा मतदाता सूची में दर्ज हैं। यह सूची 'विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान, 2025' के तहत जारी की गई है।

पूर्व आईएएस को लेकर किया गया था ये दावा

गौरतलब है कि पूर्व आईएएस अधिकारी व्यास ने पोस्ट में लिखा,

"मित्रों, निर्वाचन आयोग के अनुसार उन्होंने अपनी वेबसाइट पर वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट अपलोड कर दिया है। मैंने अपना और अपनी श्रीमती का नाम चेक करने की उत्सुकता वश कथित ड्राफ्ट डाउनलोड किया..., "हम दोनों ने जब यही किया तो हमें अपने इछड से संपर्क करने को कहा जा रहा है जबकि BLO हमारा गणना प्रपत्र भरकर जरूरी कागजातों का फोटो खींचकर ले गए थे।" व्यास की इस पोस्ट को तेजस्वी यादव ने शेयर कर चुनाव आयोग से सवाल किया था। हालांकि तेजस्वी के इस दावे को भी चुनाव आयोग ने खारिज कर दिया है।

तेजस्वी यादव ने अपना नाम वोटर लिस्ट में ना होने का किया था दावा

वहीं इससे पहले चुनाव आयोग ने तेजस्वी यादव का वोटर लिस्ट से नाम हटाए जान के दावे पर आयोग ने स्पष्ट किया है कि तेजस्वी यादव का नाम मतदाता सूची में मौजूद है और उन्होंने 2020 के विधानसभा चुनाव में जिस एपिक (EPIC) संख्या RAB0456228 का उल्लेख किया था, वही अभी भी वैध और दर्ज है।

चुनाव आयोग की इस प्रतिक्रिया के बाद उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने तेजस्वी पर पलटवार किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि नेता प्रतिपक्ष ने "बड़ा घपला-घोटाला" किया है और संभवतः अपने कार्यकर्ताओं के लिए भी दो-दो मतदाता पहचान पत्र बनवाए होंगे। आयोग ने बताया कि 1 अगस्त को प्रकाशित मसौदा मतदाता सूची में भी तेजस्वी यादव का नाम स्पष्ट रूप से दर्ज है, और 2015 की मतदाता सूची में भी उनकी यही एपिक संख्या थी।

केंद्रीय मंत्री श्री सबार्नंद सोनोवाल ने डिब्रूगढ़ में प्रख्यात विद्वान, साहित्यकार डॉ. नागेन सैकिया से मुलाकात की

जलमार्ग मंत्री श्री सबार्नंद सोनोवाल ने प्रख्यात विद्वान, साहित्यकार एवं विचारक डॉ. नागेन सैकिया से डिब्रूगढ़ स्थित उनके आवास पर मुलाकात की तथा उनके स्वास्थ्य का हालचाल जाना तथा विभिन्न विषयों पर चर्चा की। डॉ. सैकिया के अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करते हुए, श्री सबार्नंद सोनोवाल ने कहा, 'डॉ. नागेन सैकिया के दर्शन और अमूल्य योगदान ने राष्ट्रीय जीवन को समृद्ध किया है8

केंद्रीय मंत्री श्री सबार्नंद सोनोवाल ने डिब्रूगढ़ में प्रख्यात गायक सैयद सादुल्लाह से उनके आवास पर मुलाकात की

(जीएनएस)।

केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री (एम ओ पी एस डब्लयू)(MoPSW) श्री सबार्नंद सोनोवाल ने आज डिब्रूगढ़ स्थित प्रख्यात असमिया गायक और आकाशवाणी के पूरी उद्घोषक श्री सैयद सदुल्लाह से उनके आवास पर मुलाकात की। यह मुलाकात सदुल्लाह के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेने के लिए थी।

इस मुलाकात के दौरान केंद्रीय मंत्री श्री सबार्नंद सोनोवाल ने श्री सैयद सदुल्लाह के साथ कुछ पल बिताए उनसे बातचीत की और असमिया संगीत के स्वर्णिम युग को याद किया। श्री सादुल्लाह, जो कभी लोकप्रिय बैंड द क्विवर्स के सदस्य थे उन्होंने श्री सोनोवाल के साथ बातचीत में कुछ भावुक पलों में अपने प्रसिद्ध गीत, "बोरोक्सा तुमी अहा, जिरी जिरी अहाना" को भी गुनगुनाया।

इस अवसर पर श्री सोनोवाल ने कहा कि "प्रख्यात गायक, गीतकार और आकाशवाणी डिब्रूगढ़ की सबसे प्रसिद्ध आवाजों में से एक सैयद सादुल्लाह से मिलना मेरे लिए बेहद भावुक क्षण था। मुझे उनके शीघ्र स्वस्थ होने पर खुशी है और मैं उनके पूर्ण स्वस्थ होने और निरंतर अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूँ। ऐसे प्रतिभाशाली कलाकार और सांस्कृतिक प्रतीक के साथ समय बिताना वास्तव में अच्छा अनुभव था।

श्री सोनोवाल के साथ दुलियाजान के विधायक श्री तेराश गोवाला, डिब्रूगढ़ विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री असीम हजारिका, असम पर्यटन विकास निगम (एटीडीसी) के अध्यक्ष श्री रितुपर्णा बरुआ, असम पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एपीएल) के अध्यक्ष श्री बिकुल डेका और डिब्रूगढ़ नगर निगम (डीएमसी) के उप महापौर श्री उज्जल फुकन भी थे।

निवेश और औद्योगिकीकरण आकर्षित करने के लिए केंद्र-राज्य साझेदारी आवश्यकः डीपीआईआईटी सचिव

बेंगलुरु में निवेशकों की गोलमेज बैठक ने विकसित भारत @2047 विजन को आगे बढ़ाया

एनआईसीडीसी का औद्योगिक शहर मॉडल, गतिशक्ति, और स्टार्टअप इनोवेशन दक्षिण भारत संवाद के केंद्र बिंदु रहे

तुमकुरु, कृष्णपट्टनम, कोप्पर्थी, ओरवकल, जहीराबाद और पलक्कड़ में नए नोड्स से होगा औद्योगिक विकास

(जीएनएस)।

एक उच्च स्तरीय निवेशकों की गोलमेज बैठक बेंगलुरु में उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव श्री अमरदीप सिंह भाटिया की अध्यक्षता में आयोजित की गई। यह बैठक विकसित भारत @2047 के विजन को साकार करने के प्रयासों के तहत आयोजित की गई थी और इसका उद्देश्य राष्ट्रीय औद्योगिक कॉरिडोर विकास कार्यक्रम (एनआईसीडीपी) के अंतर्गत दक्षिणी औद्योगिक नोड्स की संभावनाओं को प्रदर्शित करना और औद्योगिक विकास के लिए केंद्र-राज्य सहयोग को सुदृढ़ करना था।

यह गोलमेज बैठक राष्ट्रीय औद्योगिक कॉरिडोर विकास कार्यक्रम (एनआईसीडीपी) के अंतर्गत दक्षिणी औद्योगिक नोड्स की संभावनाओं को प्रदर्शित करने और औद्योगिक विकास के लिए केंद्र-राज्य सहयोग को सुदृढ़ करने के लिए एक प्रमुख मंच बनी।

डीपीआईआईटी के वरिष्ठ अधिकारियों ने स्टार्ट-अप इंडिया, व्यवसाय सुधार कार्य योजना (बीआरएपी), राष्ट्रीय एकल खिड़की प्रणाली (एनएसडब्ल्यूएस), लॉजिस्टिक्स ईज एक्रॉस डिफरेंट स्टेट्स (एलईएडीएस) और इन्वेस्ट इंडिया समेत राष्ट्रीय पहलों पर भी अपडेट साझा किए, जो सुधारों को सक्षम बना रहे हैं और निवेशकों का भरोसा बढ़ा रहे हैं।

इस गोलमेज सम्मेलन में सीआईआई, फिक्की, एसोचैम, इन्वेस्ट इंडिया, पीन्या इंडस्ट्रियल एसोसिएशन और केएएसएसआईए सहित प्रमुख हितधारकों के साथ चर्चा हुई। उद्योग जगत के नेताओं, एमएसएमई और स्टार्टअप्स ने राज्य-विशिष्ट संवाद में भाग लिया, अवसरों की पता लगाया, चुनौतियां साझा कीं और इस बात पर चर्चा की कि एनआईसीडीसी के स्मार्ट औद्योगिक शहर कैसे एडवांस मैन्युफैक्चरिंग और नवाचार के लिए एक मंच के तौर पर काम कर सकते हैं।

सम्पादकीय

बिहार विधानसभा से लेकर संसद तक एसआईआर का विरोध जारी

स्वस्थ लोकतंत्र के लिए स्वच्छ और स्पष्ट मतदाता सूची जरूरी है। वास्तव में, मतदाता सूची पर विपक्ष का हंगामा केवल राजनीतिक स्टंट कर जनता का ध्यान अपनी ओर खींचने की कोशिश है। मतदाता सूची मामले में देश को गुमराह कर रहा विपक्ष बिहार में चुनाव आयोग द्वारा चलाया गया विशेष मतदाता गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर पूरा हो चुका है। बिहार विधानसभा से लेकर संसद तक एसआईआर का विरोध जारी है। हालांकि विपक्ष के तीखे विरोध के बीच चुनाव आयोग ने यह स्पष्ट कर दिया है कि एसआईआर बिहार तक ही सीमित नहीं रहेगा। अगले साल पामि बंगाल, तमिलनाडु, केरल और असम राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। सिर्प असम में भाजपा सरकार है। शेष राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें हैं। वे अभी से चौकन्नी हो गईं हैं और एसआईआर को एक राष्ट्रीय मुद्दा बना देना चाहती हैं। वास्तव में विपक्ष रणनीति के तहत एसआईआर पर देशवासियों को गुमराह कर रहा है। सड़क से संसद तक वो एसआईआर का विरोध कर रहा है, और चुनाव आयोग पर अमर्यादित बयानबाजी से लेकर आरोप तक लगा रहा है। जबकि तस्वीर का दूसरा पक्ष यह है कि बिहार में एसआईआर का विरोध कर रही परटियों ने भी अपने बूथ लेवल एजेंट यानी बीएलए को बढ़-चढ़कर काम में लगाया था। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक 23 जून को एसआईआर प्रायि शुरू होने के पहले कांग्रेस ने केवल 8586 बीएलए लगाए थे। लेकिन 25 जुलाई को प्रक्रिया समापन के वत्त कांग्रेस के 17549 बीएलए नियुत्त रहे। कांग्रेस ने एसआईआर प्रायि का विरोध करने के बावजूद इसके लिए 105 फीसदी बीएलए बढ़ाए। भाजपा के 53338 बीएलए प्रक्रिया का हिस्सा बने। राष्ट्रीय जनता दल के 47506 बीएलए प्रायि में शामिल हुए। जनता दल यूनाइटेड के 36550 बीएलए शामिल हुए। लेफ्ट परटियों ने एसआईआर प्रक्रिया की शुरूआत में दिलचस्पी नहीं दिखाई लेकिन आखिर तक इन परटियों ने भी बीएलए की संख्या बढ़ाई। बिहार में 12 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के वुल 1 लाख 60 हजार 813 बीएलए गहन मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया का हिस्सा बने। किसी तरह की अनियमितता होने पर विपक्षी दलों के कार्यकर्ता तुरंत अपना विरोध कर सकते हैं, लेकिन अब तक एक भी ऐसा मामला सामने नहीं आया है जहां विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं ने इसकी शिकायत की हो। केवल विपक्ष के नेता ही इस तरह की बात कर सनसनी पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। विपक्ष का असली चेहरा और चरित्र यही है। वो एक और देशवासियों को गुमराह करने और संवैधानिक संस्थाओं की साख को धूमिल करने का वुवृत्य करता है, तो वहीं दूसरी और कानून प्रक्रियाओं में बढ़ चढ़कर हिस्सा भी लेता है। बिहार ही नहीं देशभर में फजा और अयोग्य मतदाताओं को हटाने के मांग राजनीतिक दल समय समय पर उठाते रहे हैं। बिहार के सीमांचल के इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला वर्षो से सामने आ रहा है। पिछले 30 वर्षो में पूरे सीमांचल का समीकरण बदल गया है। किशनगंज, अररिया, कटिहार और पररूणिया में अल्पसंख्यकों की आबादी 40 फीसदी से 70 फीसदी तक हो चुकी है। यही कारण है कि वर्षो से इस इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों की रोक की मांग उठती रही है। कई इलाकों से हिदुओं के पलायन की भी खबर उठी थी। वेंद्र सरकार ने जब पूरे देश में एनआरसी लागू करने की बात कही थी तो बिहार में इस इलाके से भी विरोध के सुर उठे थे। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, बिहार के 99.8 फीसदी यानी 7.23 करोड़ मतदाता इस रिवीजन प्रायि में कवर हो चुके हैं। दावा किया जा रहा है कि पुनरीक्षण में बिहार में कम से कम 61 लाख मतदाताओं के नाम कट सकते हैं। इसमें 21.6 लाख मतदाताओं का निधन हो चुका है। 31.5 लाख मतदाता स्थाई तौर पर दूसरे स्थानों-शहरों में बस गए हैं। हैं। लगभग सात लाख मतदाताओं के नाम दो स्थानों की मतदाता सूची में दर्ज हैं। बिहार में विधानसभा की 243 सीटें हैं। विधानसभाओं में वुछ सौ मतदाताओं का अंतर ही जीत-हार पर असर डाल देता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश से पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त जारी की

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की प्रेरक उपस्थिति में गांधीनगर में आयोजित हुआ राज्य स्तरीय 'पीएम किसान उत्सव दिवस' समारोह

गुजरात के 52.16 लाख से अधिक किसान परिवारों को 1,118 करोड़ रुपए की सहायता किसान सम्मान निधि के रूप में मिली

राज्य के 3 लाख से अधिक किसानों ने प्रधानमंत्री का वर्चुअल संबोधन देखा

पीएम किसान सम्मान निधि योजना की न्यायी एवं पारदर्शी पद्धति के परिणामस्वरूप किसानों का सरकार के प्रति विश्वास अधिक दृढ़ बना है : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

-: मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-

- प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पीएम किसान योजना विश्व की सबसे बड़ी डीबीटी योजना बनी
- किसान हित में प्रधानमंत्री ने 'पीएम धनधान्य कृषि योजना' तथा 'प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना' को मंजूरी दी है
- पिछले एक दशक में देश के कृषि बजट में पाँच गुना वृद्धि हुई, 25 करोड़ सॉइल हेल्थ कार्ड का वितरण हुआ
- प्रधानमंत्री की प्रेरणा से किसानों को बीज से बाजार तक की व्यापक सुविधा मिली है

गांधीनगर, 02अगस्त 2025 :प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के काशी से पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 20वीं किस्त जारी की, जिसमें गुजरात के 52.16 लाख से अधिक किसान परिवारों को 1,118 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता का 20वीं किस्त के रूप में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) से सीधे उनके बैंक खातों में भुगतान किया गया।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की प्रेरक उपस्थिति में गांधीनगर में इस संदर्भ में राज्य स्तरीय 'पीएम किसान उत्सव दिवस' समारोह आयोजित हुआ। मुख्यमंत्री तथा राज्य मंत्रिमंडल के सदस्यों सहित राज्यभर के 3 लाख से अधिक किसानों ने विभिन्न स्थानों से प्रधानमंत्री के संबोधन का सीधा प्रसारण देखा।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री ने देश और दुनिया को बताया है कि जन सेवा की भावना तथा सच्ची नीयत से किसान हित एवं जन हित के कार्य कितनी तेजी से होते हैं। प्रधानमंत्री ने गरीब, अन्नदाता, युवा एवं नारी शक्ति (ग्यान) तथा नारी शक्ति को विकसित भारत का आधार स्तंभ बताकर अनेक कल्याणकारी योजनाएँ बनाई हैं।

श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश के किसानों को प्राथमिकता देकर उनके सहायक बनने के शुभ आशय के साथ पीएम किसान सम्मान निधि योजना लागू की थी, जो आज विश्व की सबसे बड़ी डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) योजना बनी है।

उन्होंने कहा कि इस योजना की न्यायी एवं पारदर्शी पद्धति के परिणामस्वरूप देश के छोटे व सीमांत

किसानों तक भी इस योजना का 100 प्रतिशत लाभ पहुँच रहा है। इसी कारण आज किसानों का सरकार के प्रति विश्वास अधिक दृढ़ बना है।

मुख्यमंत्री ने जोड़ा कि पीएम किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत देश के करोड़ों किसान परिवारों के बैंक खातों में 19 किस्तों में कुल 3.69 लाख करोड़ रुपए जमा हुए हैं। आज प्रधानमंत्री के करकमलों से 20वीं किस्त के रूप में देश के 9.70 करोड़ से अधिक किसानों को 20,500 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता का वितरण किया गया है।

श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पिछले एक दशक में किसानों के लिए बीज से बाजार तक व्यापक सुलभता की गई है। साथ ही; कृषि विभाग के बजट में भी पाँच गुना वृद्धि हुई है। गत 11 वर्षों में 25 करोड़ सॉइल हेल्थ कार्ड का वितरण किए जाने के अलावा आधुनिक कृषि एवं कृषि यांत्रिकीकरण को गति मिली है।

किसानों की ओर से प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में कम उत्पादकता वाले 100 जिलों में उत्पादकता बढ़ाने के लिए विशेष ध्यान केन्द्रित करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री ने हाल ही में नई 'पीएम धनधान्य कृषि योजना' को मंजूरी दी है।

विकसित गुजरात के लिए विकसित कृषि के निर्माण का किसानों से आह्वान करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लिए प्राकृतिक कृषि तथा मिलेट्स जैसी परंपरागत पद्धतियों को महत्व दिया है। प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन देने के लिए अनेक सहायता योजनाओं के अलावा गुजरात के हालोल में गुजरात नैचुरल फार्मिंग साइंस यूनिवर्सिटी कार्यरत की गई है।

इस कार्यक्रम में कृषि मंत्री श्री राघवजी पटेल ने राजकोट से किसानों को प्रेरक संबोधन किया।इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों में कृषि हितोन्मुखी योजनाओं के विभिन्न किसान लाभार्थियों को सहायता का वितरण किया गया।

यहाँ उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत अब तक जारी की गई 19 किस्तों के रूप में गुजरात के लाभार्थी किसानों के खातों में समग्रतः कुल 19,993 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता राशि का भुगतान किया गया है।

कृषि विभाग की अपर मुख्य सचिव डॉ. अंजू शर्मा ने सभी का स्वागत कर समग्र कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा देते हुए कहा कि आज प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित इस राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम का सीधा प्रसारण राज्य के 7,000 से अधिक स्थानों से 3 लाख से अधिक किसान देख रहे हैं।

उन्होंने कहा कि देश के किसानों की आय बढ़ाकर उनके सहायक बनने के शुभ आशय से प्रधानमंत्री ने 100 प्रतिशत केन्द्रीय सहायता वाली पीएम किसान सम्मान निधि योजना वर्ष 2019 से लागू की थी। इस योजना के अंतर्गत किसान परिवारों को प्रतिवर्ष प्रति किसान परिवार 6,000 रुपए की सहायता की तीन समान किस्तें जारी की जाती हैं।

उन्होंने जोड़ा कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने बुवाई से लेकर बिक्री तक के सभी चरणों में किसान की सहायक बनने के लिए अनेक योजनाएँ लागू की हैं, जिनका अधिकतम लाभ किसानों तक पहुँचाने के लिए बजट में बड़ी राशि का प्रावधान किया गया है। इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए राज्य के 11 लाख से अधिक किसानों ने आई-किसान पोर्टल पर आवेदन पंजीकृत कराए हैं।

इस समारोह में गांधीनगर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शिल्पाबेन पटेल, गांधीनगर उत्तर की विधायक श्रीमती रीटाबेन पटेल, पशुपालन विभाग के सचिव श्री संदीप कुमार, गुजरात एग्रो इंडस्ट्रीज कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक श्री विजय खराडी, गांधीनगर जिला कलेक्टर, जिला विकास अधिकारी, कृषि निदेशक, कृषि विभाग के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में किसान मित्र उपस्थित रहे।

टेक्नोवेदा 2.0: स्काईलार्क वर्ल्ड स्कूल में प्राचीन ज्ञान और भविष्य की तकनीक का भव्य संगम

संजीवनी-से सत्य छिपे हैं
पुराणों की कथाओं में,
विज्ञान के अमृत-स्रोत बहते हैं
वेदों की ऋचाओं में।

लखनऊ, स्काईलार्क वर्ल्ड स्कूल कल्पना, जिज्ञासा और प्रेरणा से जीवंत हो उठा जब यहाँ वार्षिक विज्ञान प्रदर्शनी ह्यटेक्नोवेदा 2.0ह्ल का आयोजन हुआ। स्वयं नाम ही — तकनीक और वैदिक ज्ञान का अद्भुत संगम — हमारी कक्षा 12 की छात्रा आरना कुलश्रेष्ठ द्वारा दिया गया, जो विद्यार्थियों की गहन सोच को दशार्ता है।

कार्यक्रम की शुरूआत जोश के साथ हुई। आयोजन में मुख्य अतिथि डॉ. आलोक कुमार कृष्ण जी, डॉ. आर. के. मित्रा जी, डॉ. धर्मेंद्र सिंह जी और कर्नल बाजपेयी जी की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। विद्यालय के सचिव श्री खेमराज जी, प्रधानाचार्या श्रीमती सुषमा सोनी जी एवं उपप्रधानाचार्या श्रीमती सोनिया प्रभाकर जी ने अतिथियों का स्वागत किया। दीप प्रज्वलन और भावपूर्ण नृत्य प्रस्तुति के साथ इस भव्य आयोजन का शुभारंभ हुआ।

नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों (प्री-प्राइमरी से कक्षा 2) ने जैव विविधता, सौरमंडल, वनस्पति जीवन और अन्य विषयों पर अपने विचारों को मॉडलों के माध्यम से साकार किया। वहीं कक्षा 3झ5 के छात्रों ने रोबोटिक्स, राष्ट्रीय प्रतीक,

रात्रिचर जीव और जलवायु प्रभाव पर अपनी कल्पनाशीलता से सबका मन मोह लिया। कशिका श्रीवास्तव द्वारा बनाया गया रोबोट और साँची स्तूप विशेष आकर्षण का केंद्र रहे।

वरिष्ठ वर्ग (कक्षा 6झ12) के विद्यार्थियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (अक), जलीय कृषि, सौर इन्वर्टर, पेरिस्कोप, वर्षाजल संचयन और बायोगैस संयंत्र जैसे नवाचार एवं सतत विकास पर आधारित प्रोजेक्ट्स से दर्शकों को प्रभावित किया। ये केवल मॉडल नहीं थे, बल्कि बेहतर कल की दृष्टि को साकार करते सपने थे।

दो विशेष परियोजनाएँ सबका दिल जीत गईं:

- कक्षा 9 के छात्रों — प्रांजल पांडे, देवांश दीक्षित, हुसैन खान , आशीष नयन मोहन और रूद्रांश गुप्ता द्वारा निर्मित सौर ऊर्जा संचालित बाइक।
- कक्षा 10 के छात्र केशव माहेश्वरी की माइक्रोबियल फ्यूल परियोजना, जिसे ₹10,000 की जिला स्तरीय छात्रवृत्ति भी प्राप्त हुई और जिसका उद्देश्य खेती में क्रांति लाना और बिजली के उत्पादन में वृद्धि है।
- काईलार्क के लिए यह गर्व का क्षण रहा जब मुख्य अतिथि ने इन दोनों परियोजनाओं को व्यावसायिक उपयोग हेतु समर्थन और वित्तीय सहयोग प्रदान करने की घोषणा की, जिससे विद्यार्थियों की मेहनत और शोध की सार्थकता सिद्ध हुई।

कार्यक्रम का समापन स्मृति-चिह्न वितरण, जलपान और अभिभावकों व अतिथियों की गूंजती तालियों के बीच हुआ। सभी ने विद्यालय द्वारा परंपरागत ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के अद्भुत समन्वय के माध्यम से नवाचार को प्रोत्साहित करने के प्रयासों की प्रशंसा की।

स्काईलार्क में टेक्नोवेदा केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक दर्शन है। यह हमारी उस यात्रा को दशार्ता है, जो वेदों की शाश्वत ज्ञानधारा से लेकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता की असीम संभावनाओं तक फैली है, और विद्यार्थियों को विचारक, समस्या-समाधानकर्ता और जिम्मेदार वैश्विक नागरिक बनने की दिशा में मार्गदर्शन करती है।

मणि शोभती जैसे मुकुट पर,
नाग के सिर,
शोभता विज्ञान भी है वेद के
हर ग्रंथ में स्थिर।

टेक्नोवेदा 2.0 न केवल एक प्रदर्शनी रही, बल्कि विज्ञान, रचनात्मकता और अनुसंधान का जीवंत उत्सव साबित हुई, जिसने स्काईलार्क वर्ल्ड स्कूल के शैक्षणिक वातावरण में नई ऊर्जा का संचार किया।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 15वें भारतीय अंगदान दिवस समारोह को संबोधित किया

अंगदान मानवता के सबसे नेक कार्यों में से एक है। ऐसी दुनिया में जहाँ चिकित्सा विज्ञान ने असाधारण प्रगति की है, अंगदान किसी और के लिए किए जा सकने वाले परम योगदानों में से एकः श्री नड्डा

'आधार आधारित नोटो ऑनलाइन प्रतिज्ञा वेबसाइट की 2023 में शुरूआत के बाद, 3.30 लाख से अधिक नागरिकों ने अंगदान का संकल्प लिया, जो जनभागीदारी का एक ऐतिहासिक क्षण'

'भारत ने 2024 में 18,900 से ज्यादा अंग प्रत्यारोपण करने की विशिष्ट उपलब्धि हासिल की, जो किसी एक वर्ष में अब तक का अधिकतम रिकॉर्ड। यह 2013 में 5,000 से भी कम प्रत्यारोपणों से एक महत्वपूर्ण छलांग है'

'भारत अपनी अत्याधुनिक शल्य चिकित्सा क्षमताओं और अपने चिकित्सा पेशेवरों के अटूट समर्पण को दशार्ते हुए हाथ प्रत्यारोपण में दुनिया में अग्रणी '

'अंग प्रत्यारोपण की कुल संख्या के मामले में भारत दुनिया में तीसरे स्थान पर, केवल अमेरिका और चीन से पीछे'

इस अवसर पर मृत व्यक्तियों के परिवार के सदस्य, प्राप्तकर्ता और अन्य हितधारक सम्मानित

कार्यक्रम के दौरान, अंगदान जागरूकता, आयुर्वेद और योग के माध्यम से अंग स्वास्थ्य, और राज्यों द्वारा अपनाई गई सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों पर नोटो की वार्षिक रिपोर्ट, ई-न्यूजलेटर और तीन जागरूकता पुस्तिकाएँ जारी

(जीएनएस)।

केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने आज कहा, "माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में, सरकार अंगदान और प्रत्यारोपण को निरंतर सुव्यवस्थित कर रही है ताकि अधिक से अधिक नागरिकों को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि शहरों के बीच अंगों की समय पर और सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने और सफल

अंग प्रत्यारोपण सुनिश्चित करने के लिए हम बुनियादी ढांचे और प्रशिक्षित जनशक्ति की उपलब्धता में सुधार के लिए प्रतिबद्ध हैं।" श्री नड्डा ने सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के तत्वावधान में यहाँ डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र में राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (नोटो) द्वारा आयोजित 15वें भारतीय अंगदान दिवस के अवसर पर यह बात कही। इस कार्यक्रम में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण की कार्यवाहक सचिव श्रीमती निवेदिता शुक्ला वर्मा और स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक डॉ. सुनीता शर्मा भी उपस्थित थीं।

भारतीय अंगदान दिवस का 15वाँ संस्करण वर्ष भर चलने वाले राष्ट्रीय अभियान "अंगदान-जीवन संजीवनी अभियान" के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य पूरे देश में अंग और ऊतक दान को बढ़ावा देना है। यह अभियान जनभागीदारी बढ़ाने, मिथकों और भ्रांतियों को दूर करने और नागरिकों को अंगदान का संकल्प लेने के लिए प्रेरित करने पर जोर देता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अंगदान के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना और निस्वार्थ भाव से अंगदान करने वाले लोगों और उनके परिवारों को सम्मानित करना था जिन्होंने जीवनदान दिया है।

उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, श्री नड्डा ने कहा कि "आज का दिन करुणा, आशा और क्षति पर जीवन की विजय की भावना का उत्सव है। अंगदान मानवता के सबसे महान कार्यों में से एक है। ऐसी दुनिया में जहाँ चिकित्सा विज्ञान ने असाधारण प्रगति की है, अंगदान किसी और के लिए किया जा सकने वाला सबसे बड़ा योगदान है।"

अंगदान के महत्व पर जोर देते हुए, श्री नड्डा ने कहा कि "अंगों के काम करना बंद करने के मामलों में चिंताजनक वृद्धि हो रही है, जिससे जन स्वास्थ्य को गंभीर खतरा है और स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर दबाव बढ़ रहा है। हर साल हजारों लोग अंग प्रत्यारोपण का इंतजार करते हैं। इस तात्कालिक आवश्यकता के बावजूद, प्रत्यारोपण के लिए प्रतीक्षारत रोगियों और उपलब्ध दाताओं की संख्या के बीच एक बड़ा अंतर बना हुआ है।" उन्होंने आगे कहा, "यह अंतर इच्छाशक्ति की कमी के कारण नहीं, बल्कि अक्सर जागरूकता की कमी और मिथकों व भ्रांतियों में निहित झिझक के कारण होता है। इसलिए आज का दिन एक महत्वपूर्ण दिन है जो हमें जागरूकता फैलाने, बातचीत को प्रोत्साहित करने और दाताओं व उनके परिवारों का सम्मान करने का एक मंच प्रदान करता है।"

अंगदान की दिशा में भारत द्वारा की गई प्रगति पर प्रकाश डालते हुए, श्री नड्डा ने कहा कि " आधार आधारित नोटो ऑनलाइन प्रतिज्ञा वेबसाइट के 2023 में शुभारंभ के बाद, 3.30 लाख से अधिक नागरिकों ने अंगदान का संकल्प लिया, जो जनभागीदारी का एक ऐतिहासिक क्षण है। प्रतिज्ञा पंजीकरण में यह वृद्धि इस साझा लक्ष्य के प्रति नागरिकों में बढ़ती जागरूकता और समर्पण को दशार्ती है।" उन्होंने कहा कि "हमारे प्रत्यारोपण पेशेवरों के अटूट समर्पण के कारण, भारत ने 2024 में 18,900 से अधिक अंग प्रत्यारोपण करने की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की, जो किसी एक वर्ष में दर्ज अब तक का सबसे अधिक रिकॉर्ड है। यह 2013 में 5,000 से भी कम प्रत्यारोपणों की तुलना में यह एक महत्वपूर्ण छलांग है। अंग प्रत्यारोपण की कुल संख्या के मामले में भारत विश्व स्तर पर तीसरे स्थान पर है, केवल संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन से पीछे।"

श्री नड्डा ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि "भारत अपनी अत्याधुनिक शल्य चिकित्सा क्षमताओं और अपने चिकित्सा पेशेवरों के अटूट समर्पण को दशार्ते हुए हाथ प्रत्यारोपण में दुनिया में अग्रणी है।"

श्री नड्डा ने अंगों की आवश्यकता और उपलब्ध दाताओं के बीच अंतर के मुद्दे पर बात की और अधिक जागरूकता, अधिक सार्वजनिक संवाद, परिवारों की समय पर सहमति और रोगग्रस्त अंगदान का समर्थन करने के लिए एक मजबूत प्रणाली की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि "प्रत्येक अंगदाता एक मूक नायक है, जिसका निस्वार्थ कार्य दुःख को आशा में और क्षति को जीवन में बदल देता है। एक व्यक्ति हृदय, फेफड़े, यकृत, गुर्दे, अग्न्याशय और आंतें दान करके 8 लोगों की जान बचा सकता है।

केंद्रीय मत्स्यपालन मंत्री ने पश्चिम बंगाल से एनएफडीबी पंजीकरण को तेज करने, प्रसंस्करण एवं अंतदेर्शीय मछली निर्यात पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया

(जीएनएस)।

केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने आज पश्चिम बंगाल में मत्स्यपालन योजनाओं के कार्यान्वयन में अंतर को पाटने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने विशेष रूप से राष्ट्रीय मत्स्यपालन विकास बोर्ड (एनएफडीबी) में मत्स्य किसानों के कम पंजीकरण की समस्या का समाधान करने की आवश्यकता पर बल दिया।

कोलकाता में आयोजित मत्स्यपालन विभाग की क्षेत्रीय समीक्षा बैठक में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राज्य के 32 लाख मत्स्य किसानों में से केवल एक भाग ही वर्तमान में एनएफडीबी में पंजीकृत है, जिससे उनको पीएम मत्स्य किसान समृद्धि योजना (पीएम-एमकेएसएसवाई) जैसी योजनाओं के अंतर्गत प्राप्त होने वाले केंद्रीय लाभों तक पहुंचने में बाधा होती है।

मंत्री ने राज्य में अंतदेर्शीय मत्स्यपालन की अप्रयुक्त क्षमता पर बल दिया और पारंपरिक जल निकायों (पुकुर) या तालाब का बेहतर उपयोग, मछुआरों के लिए सहकारी संरचनाओं का विकास और एक मजबूत प्रसंस्करण पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण का आह्वान किया। उन्होंने पश्चिम बंगाल में स्थानीय रोजगार एवं निर्यात को बढ़ावा देने के लिए विकसित शुष्क मछली क्लस्टर की स्थापना की योजनाओं का भी संकेत दिया। नई तकनीकों पर बल देते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सतत विकास के लिए नई तकनीकें, बेहतर प्रशिक्षण सुविधाएं और कृत्रिम रीफ जैसी पहलों का पुनरुद्धार बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारत वर्तमान में विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मत्स्य उत्पादक देश है, जहां मछली उत्पादन में 104% की वृद्धि हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले दशक में अंतदेर्शीय मछली उत्पादन में 142% की वृद्धि हुई है। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि मत्स्य निर्यात में इस क्षेत्र की हिस्सेदारी में सुधार लाने की आवश्यकता है।

बैठक में केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री श्री जॉर्ज कुरियन और भारत सरकार के मत्स्य पालन विभाग के सचिव डॉ. अभिलक्ष लिखी भी उपस्थित हुए। दोनों ने मत्स्यपालन से संबंधित योजनाओं के लिए संस्थागत समर्थन, केंद्र-राज्य समन्वय एवं कुशल वितरण तंत्र के महत्व पर बल दिया।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

वडोदरा रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए नई सौगात, माननीय सांसद डॉ. हेमांग जोशी ने किया उद्घाटन

वडोदरा रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए कई नई सुविधाओं का उद्घाटन माननीय सांसद डॉ. हेमांग जोशी ने किया। इनमें निःशुल्क बैटरी चालित कार्ट सेवा और महिला प्रतीक्षालय एवं एसी प्रतीक्षालय में स्थित शिशु देखभाल कक्ष का सौंदर्यीकरण शामिल है।

निःशुल्क 'सारथी' सेवा का शुभारंभ

वडोदरा रेलवे स्टेशन पर 'सारथी' नामक एक नई निःशुल्क गतिशीलता सहायता सेवा शुरू की गई है। इस सेवा के तहत, बैटरी चालित कार्ट वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांग व्यक्तियों, गर्भवती महिलाएं एवं बीमार यात्रियों को 24/7 निःशुल्क सहायता प्रदान करेगी। यह कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (उरफ) पहल फार्मसन और रेलवे के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास है, जिसे सानिध्य फाउंडेशन द्वारा कार्यान्वित किया गया है। प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर उपलब्ध यह सेवा फार्मसन बेसिक ड्रग्स प्राइवेट लिमिटेड की सीएसआर शाखा, के. के. विठानी फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित कि जा रही है।

महिला प्रतीक्षालय एवं एसी प्रतीक्षालय में स्थित शिशु देखभाल कक्ष का सौंदर्यीकरण

इसके अतिरिक्त, माननीय सांसद ने महिला प्रतीक्षालय एवं एसी वेटिंग रूम में स्थित शिशु देखभाल कक्ष के सौंदर्यीकरण का भी उद्घाटन किया। यह पहल चिल्ड्रन हॉस्पिटल - वडोदरा द्वारा उरफ के तहत की गई है, जिसमें बेबी केयर टेबल, सजावट और अन्य आवश्यक वस्तुएं प्रदान की गई हैं। इस पहल का उद्देश्य महिला यात्रियों, विशेषकर माताओं को अपने शिशुओं की देखभाल के लिए एक स्वच्छ और सुविधाजनक स्थान प्रदान करना है।

इस अवसर पर वडोदरा रेल मंडल के डीआरएम श्री राजू भडके, वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक श्री नरेन्द्र कुमार ,वरिष्ठ मण्डल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर श्री प्रदीप मीना , वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर (समन्वय) श्री सुमित ठाकुर सहित अन्य रेल अधिकारी, कर्मचारी एवं अन्य गणमान्य नागरिक तथा प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

रेलवे ने स्वच्छता अभियान का किया आगाज

- 1 अगस्त से 15 अगस्त, 2025 तक देश के सभी प्रमुख स्टेशनों पर चलेगा अभियान।
- रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार ने नई दिल्ली स्टेशन पर अधिकारियों और कर्मचारियों को दिलाई स्वच्छता की शपथ।
- इस अवसर पर विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर श्रमदान के माध्यम से व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया।
- स्टेशन परिसर को स्वच्छ रखने के उद्देश्य से यात्रियों में जागरूकता पैदा करने के लिए स्टेशनों पर नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया जाएगा।

नई दिल्लीः स्वतंत्रता दिवस के उल्लास को स्वच्छता अभियान से जोड़ते हुए रेलवे ने 1 अगस्त से 15 अगस्त, 2025 तक देशभर के स्टेशनों पर स्वच्छता अभियान की शुरूआत की है। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर इस अभियान की शुरूआत करते हुए रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष ने अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ मिलकर श्रमदान में भी भाग लिया। इस अवसर पर पौधारोपण भी किया गया।

सतीश कुमार ने स्टेशन पर प्रयोग में लाई जा रहीं सफाई मशीनों का भी निरीक्षण किया और यात्रियों से संवाद कर स्वच्छता पर फीडबैक भी प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि स्टेशन परिसर को स्वच्छ रखने के उद्देश्य से यात्रियों में जागरूकता पैदा करना जरूरी है। इसके लिए रेलवे स्टेशनों पर नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया जाएगा। स्वच्छता अभियान के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा देश में शुरू की गई स्वच्छ भारत की मुहिम में रेलवे बहुत अच्छा कार्य कर रहा है। इसी कड़ी में फेज-1 में 15 दिनों का ये कार्यक्रम चलेगा। इसके बाद 16 अगस्त से अक्टूबर तक फेज-2 में स्वच्छता का ये कार्यक्रम चलेगा। ये अक्टूबर तक ही सीमित नहीं रहेगा। हम अपनी दिनचर्या में, अपने कार्य में साफ-सफाई को ढाल रहे हैं, जिससे कि यात्रियों को एक साफ स्टेशन दे सकें। दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पहले और अब में बहुत फर्क है। यही नहीं, पहले जो जगह डंपिंग ग्राउंड थी, आज वहां पर गार्डन है। लोगों को अच्छा वातावरण मिला है। मैंने कई जगह आज निरीक्षण किया और सफाई का जायजा लिया। रेलवे के सभी कर्मचारी और अधिकारी देशभर में 7,000 रेलवे स्टेशनों पर साफ-सफाई की निगरानी कर यात्रियों को अच्छी व्यवस्था देने में लगे हैं। उन्होंने कहा कि सफाई केवल स्टेशनों तक सीमित नहीं है। ट्रेनों में साफ-सफाई की उचित व्यवस्था की जा रही है। स्टेशनों पर हमने क्लिन ट्रेन स्टेशन की व्यवस्था की है। इसके अतिरिक्त रेल मदद पर आने वाली शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई करते हैं। इस अभियान के तहत हम यात्रियों में जागरूकता लाना चाहते हैं। इस अवसर पर उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार वर्मा, मंडल रेल प्रबंधक दिल्ली पुष्पेश रमण त्रिपाठी सहित रेलवे के कई अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

वहीं, इस अवसर पर विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर श्रमदान के माध्यम से व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। साथ ही पौधारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इस अभियान की शुरूआत नवीन गुलाटी (सदस्य इन्फ्रास्ट्रक्चर) ने दिल्ली सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन पर, ब्रज मोहन अग्रवाल (सदस्य ट्रैक्शन एवं रोलिंग स्टॉक) ने हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर, हितेन्द्र मल्होत्रा (सदस्य ऑपरेशन और बिजनेस डेवलपमेंट) ने दिल्ली कैंट रेलवे स्टेशन पर, उषा वेंणुगोपाल (सदस्य वित्त) ने दिल्ली जंक्शन स्टेशन पर, आर. राजगोपाल (महानिदेशक मानव संसाधन) ने आनंद विहार टर्मिनल पर, हरि शंकर वर्मा (महानिदेशक सुरक्षा) ने फरीदाबाद रेलवे स्टेशन पर तथा डॉ. जगदीश चंद्रा (महानिदेशक रेलवे स्वास्थ्य सेवा) ने तुगलकाबाद रेलवे स्टेशन पर की।

भावनगर टर्मिनस-अयोध्या कैंट, रीवा-पुणे (हडपसर) और जबलपुर-रायपुर के बीच नई तीन एक्सप्रेस ट्रेनों का शुभारंभ

मुंबई, भारतीय रेल द्वारा कई राज्यों में रेल संपर्क को बढ़ावा देने और लोगों की मांगों को पूरा करने के लिए एक बड़े कदम के तौर पर ट्रेन संख्या 19201/19202 भावनगर टर्मिनस-अयोध्या कैंट (साप्ताहिक) एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 20151/20152 पुणे (हडपसर)-रीवा (साप्ताहिक) सुपरफास्ट एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 11701/11702 रायपुर-जबलपुर (दैनिक) एक्सप्रेस के रूप में तीन नई ट्रेन सेवाएं शुरू करने के लिए तैयार है। इन नई ट्रेनों की उद्घाटक सेवाओं को रविवार, 3 अगस्त 2025 को गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल; मध्य प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव; छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय; माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव; माननीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया और माननीय केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री श्रीमती निमुबेन बांभणिया हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ करेंगे। भावनगर टर्मिनस - अयोध्या कैंट एक्सप्रेस की उद्घाटक सेवाओं को भावनगर टर्मिनस स्टेशन से हरी झंडी दिखाई जाएगी, जबकि रीवा-पुणे (हडपसर) एक्सप्रेस और जबलपुर-रायपुर एक्सप्रेस की उद्घाटक सेवाओं को भावनगर टर्मिनस से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाई जाएगी।

इन नई तीन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः

- ट्रेन संख्या 19201/19202 भावनगर टर्मिनसझ अयोध्या कैंट (साप्ताहिक) एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 19201 भावनगर टर्मिनस-अयोध्या कैंट एक्सप्रेस 11 अगस्त, 2025 से प्रत्येक सोमवार को 13:50 बजे भावनगर टर्मिनस से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 18:30 बजे अयोध्या कैंट पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 19202 अयोध्या कैंट-भावनगर टर्मिनस एक्सप्रेस 12 अगस्त, 2025 से प्रत्येक मंगलवार को 22:30 बजे अयोध्या कैंट से प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन (गुरुवार) को 04:45 बजे भावनगर टर्मिनस पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में भावनगर परा, सीहोर (गुजरात), धोला, बोटाद, लिंबडी, सुरेंद्रनगर गेट, विरमगाम, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, फालना, मारवाड़, ब्यावर, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधीनगर जयपुर, बांदीकुई, भरतपुर, ईदगाह आगरा, टूंडला, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ जं. और बाराबंकी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, एसी 3 टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 19201 की बुकिंग 03.08.2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी।

नई ट्रेन 19201/19202 भावनगर टर्मिनस-अयोध्या कैंट एक्सप्रेस गुजरात और उत्तर प्रदेश के बीच तेज और निर्बाध संपर्क को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भावनगर और आसपास के क्षेत्रों के लोगों की माँगों को पूरा करते हुए यह नई ट्रेन सेवा तीर्थयात्रियों, पर्यटकों के साथ-साथ व्यापार और रोजगार के लिए यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए भी बहुत सुविधाजनक होगी। यह न केवल यात्रियों के बहुमूल्य यात्रा समय की बचत करेगी, बल्कि मार्ग पर व्यापार और पर्यटन को भी मजबूती से बढ़ावा मिलेगी। इसके अलावा, यह रेल संपर्क भावनगर क्षेत्र के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देगा।

- ट्रेन संख्या 20151/20152 पुणे (हडपसर)झ रीवा (साप्ताहिक) सुपरफास्ट एक्सप्रेस

ट्रेन संख्या 20151 पुणे (हडपसर)-रीवा एक्सप्रेस 7 अगस्त, 2025 से प्रत्येक गुरुवार को 15:15 बजे पुणे (हडपसर) से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 17:30 बजे रीवा पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 20152 रीवा-पुणे (हडपसर) साप्ताहिक एक्सप्रेस 6 अगस्त, 2025 से प्रत्येक बुधवार को रीवा से 06:45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 09:45 बजे पुणे (हडपसर) पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में दौंड कॉर्ड लाइन, अहमदनगर, कोपरगाँव, मनमाड, भुसावल, अकोला, वर्धा, नागपुर, गोंदिया, बालाघाट, नैनपुर, जबलपुर, कटनी और सतना स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, एसी 3 टियर (इकोनॉमी), स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

- ट्रेन संख्या 11701/11702 रायपुरझजबलपुर (दैनिक) एक्सप्रेसः

ट्रेन संख्या 11701 रायपुर-जबलपुर एक्सप्रेस 04 अगस्त, 2025 से प्रतिदिन रायपुर से 14:45 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 22:45 बजे जबलपुर पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 11702 जबलपुर-रायपुर एक्सप्रेस 05 अगस्त, 2025 से प्रतिदिन जबलपुर से 06:00 बजे प्रस्थान करेगी और उसी दिन 13:50 बजे रायपुर पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में दुर्ग, राजनांदगांव, डोंगरगढ़, गोंदिया, बालाघाट, नैनपुर और मदन महल स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी चेयर कार, चेयर कार और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

शहरी विकास वर्ष-2025 में राज्य के शहर अपने विशिष्ट विकास विजन के साथ रोडमैप तैयार कर उसके क्रियान्वयन की समयबद्ध योजना बनाएं

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल का राज्य के महानगरों और नगरों से प्रेरक आह्वान

मुख्यमंत्री ने राजधानी गांधीनगर के 61वें स्थापना दिवस पर विकास विजन दस्तावेज लॉन्च किया

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-

- शहरी विकास में गुजरात के शहर देश को दिशा दिखाएं, ऐसा विश्व स्तरीय शहरी विकास करने की मंशा है
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने शहरी विकास की परिभाषा बदलकर समग्र शहरी विकास का एक नवीन दृष्टिकोण दिया है
- 2005 के शहरी विकास वर्ष की दो दशकों की उपलब्धियों के साथ, टेक्नोलॉजी युक्त नागरिक सेवा-सुविधाएं प्रदान करने के लिए शहरी विकास वर्ष-2025 मना रहे हैं

मुख्यमंत्री ने गांधीनगर के 'स्वच्छता के योद्धा' के रूप में दिन-रात काम करने वाले स्वच्छता कर्मियों का सम्मान किया

महापौर श्रीमती मीराबेन पटेल का गांधीनगर को 'उत्तम से सर्वोत्तम' तक ले जाने का अनुरोध

गांधीनगर ने 60 वर्षों में ग्रीन सिटी से ग्लोबल सिटी के रूप में अपनी पहचान स्थापित की है : विधायक श्रीमती रीटाबेन पटेल

गांधीनगर, 02 अगस्त : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने शहरी विकास वर्ष 2025 में राज्य के महानगरों और नगरों से अपने विशिष्ट विकास विजन के साथ एक रोडमैप तैयार कर उसे लागू करने के लिए समयबद्ध योजना बनाने का प्रेरक आह्वान किया है।

इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि हमारी ऐसी मंशा है कि इस प्रकार के विकास विजन की श्रेष्ठता की प्रतिस्पधाएं हों और गुजरात के शहर शहरी विकास क्षेत्र में देश को दिशा दिखाने वाले शहर बनें।

मुख्यमंत्री ने यह बात शनिवार को राजधानी गांधीनगर के 61वें स्थापना दिवस समारोह में गांधीनगर महानगर पालिका के 'विकास विजन' दस्तावेज के लॉन्चिंग अवसर पर अपने अध्यक्षीय संबोधन में कही।

मुख्यमंत्री ने उन स्वच्छता दूतों का सम्मान भी किया, जो हाल ही में हुए स्वच्छता सर्वेक्षण में राष्ट्रीय स्तर पर गांधीनगर को मिले सम्मान की नींव के पत्थर हैं। उन्होंने कहा कि गांधीनगर ने ग्रीन सिटी के साथ अब क्लीन सिटी का खिताब भी हासिल कर लिया है, जिसे बनाए रखने की हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में वर्ष 2005 में शहरी विकास वर्ष का आयोजन किया और शहरी विकास की पूरी परिभाषा बदलते हुए समग्र शहरी विकास का एक नवीन दृष्टिकोण दिया है।

इतना ही नहीं, उन्होंने नल, सीवरेज और सड़कों की सुविधाओं से आगे बढ़कर टेक्नोलॉजी के उपयोग से नागरिक-उन्मुख सेवाओं के विस्तार की दिशा भी दी है। उन्होंने कहा कि शहरी विकास वर्ष-2005 के इस आयोजन की सफलता से राज्य के शहर प्राणवान और ऊर्जावान बने हैं और शहरी विकास का एक नया मानचित्र तैयार हुआ है।

श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि शहरी विकास की दो दशकों की उपलब्धियों और सफलता के बाद अब हम विश्व स्तरीय शहरी विकास के संकल्प के साथ शहरी विकास वर्ष-2025 मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि, इस उद्देश्य से हमने राज्य के शहरी विकास बजट में इस वर्ष 40 फीसदी की वृद्धि कर 30 हजार करोड़ रुपए आवंटित किए हैं।

मुख्यमंत्री ने यह उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'विकसित भारत@2047' का जो संकल्प किया है, उसे राज्य के शहर स्मार्ट और सस्टेनेबल शहरी विकास के माध्यम से साकार करेंगे।

उन्होंने देश के विकास के इस अमृत काल में 'कैच द रेन' अभियान के अंतर्गत बड़े पैमाने पर वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर बनाने और अर्बन फॉरेस्ट बढ़ाने के साथ-साथ 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के जरिए हरित आवरण को बढ़ाने की अपील की। मुख्यमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण के साथ विकास की वकालत करते हुए सोलर रूफटॉप और अधिक से अधिक संख्या में ई-मोबिलिटी अपनाने का भी अनुरोध किया।

गांधीनगर की महापौर श्रीमती मीराबेन पटेल ने स्वागत भाषण में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व, गांधीनगर के सांसद और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह और मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के निरंतर मार्गदर्शन में गांधीनगर का अविरत विकास हो रहा है।

गांधीनगर की विकास यात्रा के बारे में उन्होंने कहा कि विकास के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के फलस्वरूप वर्ष 2010 में गांधीनगर महानगर पालिका के गठन के वक्त मनपा का बजट केवल 7.47 करोड़ रुपए था, जो आज वर्ष 2025-26 में लगभग 1718 करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। ऐसे में, महापौर ने सभी से साथ मिलकर गांधीनगर को 'उत्तम से सर्वोत्तम' की दिशा में ले जाने का आह्वान भी किया।

गांधीनगर उत्तर की विधायक श्रीमती रीटाबेन पटेल ने शहर के 61वें स्थापना दिवस की सभी को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार की मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति के चलते नए शहर और राजधानी के रूप में विकसित किए गए गांधीनगर ने आज 60 सालों के बाद अपना एक अलग इतिहास रचा है।

श्रीमती पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से गांधीनगर ने आज ग्रीन सिटी से ग्लोबल सिटी के रूप में अपनी पहचान स्थापित की है। उन्होंने कहा कि गांधीनगर के विकास में योगदान देने वाले सभी नगरजन आज 61वें स्थापना दिवस के अवसर पर बधाई के पात्र हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने महानुभावों की उपस्थिति में 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' अभियान के अंतर्गत टाउन हॉल में वृक्षारोपण भी किया।

इस अवसर पर गांधीनगर दक्षिण के विधायक श्री अल्पेश ठाकोर, उप महापौर श्री नटवरजी ठाकोर, मनपा में स्थायी समिति के चेयरमैन श्री गौरांग व्यास और शासक पक्ष के नेता श्री अनिलभाई, सचेतक श्रीमती सेजलबेन परमार, मनपा आयुक्त श्री जितेन्द्रसिंह वाघेला, जिला कलेक्टर श्री मेहुल दवे, शहर भाजपा अध्यक्ष श्री आशीषभाई दवे, शहर प्रभारी श्रीमती नौकाबेन प्रजापति, पूर्व महापौर और उप महापौर तथा पार्षदों एवं पूर्व पार्षदों के अलावा महानगर पालिका के उच्च अधिकारी, शहर के अग्रणी, ज्योति महिला मंडल और गांधीनगर शहर वसाहत जैसी सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में नगरजन उपस्थित रहे।

केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल और श्री भूपेंद्र यादव ने गुरुग्राम में 'मातृ वन' थीम-आधारित पहल के शुभारंभ की अध्यक्षता की, यह अरावली पहाड़ी क्षेत्र में 750 एकड़ में फैला एक शहरी वन आवरण है

'मातृ वन' हरित आवरण पूरे दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लिए हृदय और फेफड़े के रूप में कार्य करेगा: श्री भूपेंद्र यादव

श्री मनोहर लाल ने नागरिकों को वन मित्र बनने के लिए वनों की कटाई रोकने और अधिक पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित किया

(जीएनएस)।

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव ने केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री श्री मनोहर लाल के साथ मिलकर भारत सरकार के 'एक पेड़ माँ के नाम' कार्यक्रम के अंतर्गत गुरुग्राम में 'मातृ वन' पहल के औपचारिक शुभारंभ की अध्यक्षता की। यह पहल पारिस्थितिकी संरक्षण और सामुदायिक भागीदारी की प्रतीक एक हरित विरासत है। यह कार्यक्रम आज गुरुग्राम में हरियाणा वन विभाग द्वारा वन महोत्सव 2025 के अंतर्गत आयोजित किया गया था। इस अवसर पर हरियाणा उद्योग एवं वन मंत्री श्री राव नरबीर सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ-साथ राज्य सरकार के वरिष्ठ जनप्रतिनिधि और अधिकारी भी उपस्थित थे।"

'मातृ वन' पहल - एक थीम आधारित शहरी वन आवरण है जो प्रकृति से प्रेरित हरित प्रयासों के माध्यम से पीढ़ियों को स्वच्छ वातावरण प्रदान करने के लिए समर्पित है। इसे गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड के किनारे अरावली पर्वतीय क्षेत्र में 750 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जाएगा। इसकी परिकल्पना एक अद्वितीय पारिस्थितिकी और सांस्कृतिक स्थल के रूप में की गई है जो जैव विविधता, जन कल्याण और शहरी स्थिरता में योगदान देगा। यह लक्ष्य कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) भागीदारों, स्थानीय निवासी कल्याण संघों (आरडब्ल्यूए), गैर-सरकारी संगठनों, बहुराष्ट्रीय निगमों (एमएनसी), स्कूली बच्चों और सरकारी संगठनों के बहु-हितधारक सहयोग के माध्यम से प्राप्त किया जाएगा।"

श्री मनोहर लाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, कहा कि कैसे कार्बन उत्सर्जन मानव जाति के लिए सबसे बड़ी वैश्विक चुनौती बन गया है। इस चुनौती से निपटने के लिए कार्बन कैप्चर तकनीक का उपयोग करने के अलावा उन्होंने नागरिकों को वनों की कटाई रोकने और अधिक पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित किया ताकि वे वन मित्र बन सकें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किस प्रकार गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित बिजली उत्पादन में भारत की बढ़ती हिस्सेदारी कार्बन उत्सर्जन को कम करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने बताया कि देश के ऊर्जा मिश्रण में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की हिस्सेदारी पहले ही 50 प्रतिशत को पार कर चुकी है।

पश्चिम रेलवे द्वारा उधना और खुर्दा रोड के बीच साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से ट्रेन संख्या 09059/09060 उधना-खुर्दा रोड साप्ताहिक स्पेशल के फेरों को मौजूदा संरचना, समय, ठहराव और मार्ग पर विस्तारित किया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार हैः

1. ट्रेन संख्या 09059 उधना-खुर्दा रोड साप्ताहिक स्पेशल को 24 सितंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है।

2. ट्रेन संख्या 09060 खुर्दा रोड-उधना साप्ताहिक स्पेशल को 26 सितंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में व्यारा, नंदुरबार, धरणगांव, जलगांव, भुसावल, मलकापुर, अकोला, बडनेरा, वर्धा, नागपुर, तुमसर रोड, गोंदिया, दुर्ग, रायपुर, महासमुन्द, खरियार रोड, कांटाबांजी, टिटिलागढ़, केसिंगा, मुनिगुड़ा, रायगड़ा, पार्वतीपुरम टाउन, बोब्बिली, विजयनगरम, श्रीकाकुलम रोड, पलासा, ब्रह्मपुर और बालुगांव स्टेशनों पर रुकेगी।

ट्रेन संख्या 09059 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 3 अगस्त, 2025 से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

लखनऊ में छठा ताइक्वांडो हॉल ऑफ फेम सम्पन्न, खिलाड़ियों और गुरुओं को मिला सम्मान

लखनऊ , भारत में ताइक्वांडो के 49 वर्षों की गौरवपूर्ण यात्रा को समर्पित छठे ताइक्वांडो हॉल ऑफ फेम का भव्य आयोजन आज राजधानी लखनऊ के प्रतिष्ठित हलवासिया कोर्ट, हजरतगंज में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर ताइक्वांडो को जीवन का मार्ग बनाने वाले देश भर के खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों, मास्टर्स और ग्रैंडमास्टर्स को सम्मानित किया गया। इस ऐतिहासिक आयोजन के सूत्रधार और आयोजक थे डॉ. जी.एम. जिमी आर. जगतियानी, जिन्हें भारत में ताइक्वांडो का संस्थापक और जनक माना जाता है। ताइक्वांडो को भारत में लाने और उसके प्रचार-प्रसार में उनका योगदान अतुलनीय है। उन्होंने ही 49 वर्ष पूर्व इस मार्शल आर्ट को भारतीय धरती पर स्थापित किया था। कार्यक्रम के मुख्य

अतिथि रहे सदस्य विधान परिषद तथा ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्रेसिडेंट पवन सिंह चौहान जिन्होंने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि ताइक्वांडो जैसे खेलों को बढ़ावा देकर युवाओं में अनुशासन, आत्मरक्षा और आत्मबल की भावना विकसित की जा सकती है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार खेलों के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है और ऐसे आयोजनों को हरसंभव सहयोग देगी। इस आयोजन में उन विभूतियों को सम्मानित किया गया जिन्होंने ताइक्वांडो के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया है। सम्मान प्राप्त करने वालों को डिप्लोमा, योग्यता प्रमाण पत्र, विशेष पदक और टाई प्रदान की गई। इसमें राष्ट्रीय ताइक्वांडो खिलाड़ी, आजीवन उपलब्धि पुरस्कार / ताइक्वांडो के अग्रदूत / प्रवर्तक, वरिष्ठ मास्टर प्रशिक्षक, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी, मास्टर और ग्रैंडमास्टर श्रेणियों में सम्मान प्रदान किया गया। यह सम्मान न केवल उनके व्यक्तिगत संघर्ष का

विकास की आड़ में खेती पर संकट, किसान बोले - आंदोलन को मजबूर न करें

(जीएनएस)।
बिजनौर।

धामपुर में भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के कार्यकताओं ने शनिवार को उपजिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर जिलाधिकारी को संबोधित ज्ञापन अपर जिलाधिकारी को सौंपा। ज्ञापन में संगठन ने किसानों से जुड़े कई ज्वलंत मुद्दों को उठाते हुए प्रशासन को चेताया कि यदि समय रहते समाधान नहीं हुआ, तो संगठन आंदोलन करने को बाध्य होगा।

किसान यूनियन ने सबसे पहले धामपुर नगर पालिका की सीमा विस्तार योजना का कड़ा विरोध किया। उनका कहना है कि सीमा विस्तार से गांवों की कृषि योग्य भूमि पर शहरीकरण का खतरा मंडरा रहा है, जिससे किसानों की आजीविका पर संकट गहराएगा।

इसके साथ ही संगठन ने बिजनौर जिले को विकास प्राधिकरण में तब्दील करने के प्रस्ताव पर भी आपत्ति जताई। प्रस्ताव में तहसील धामपुर, नगीना, नजीबाबाद और चांदपुर को मिलाकर एक संयुक्त विकास प्राधिकरण बनाए जाने की बात कही गई है। यूनियन का तर्क है कि इससे छोटे किसानों पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा और खेती योग्य भूमि को अधिग्रहण या टैक्स के नाम पर छीना जाएगा। यूनियन ने मांग की कि विकास प्राधिकरण सिर्फ जिला मुख्यालय बिजनौर तक ही सीमित रखा जाए।

ज्ञापन में क्षेत्र में गुलदार के हमलों से हो रही जनहानि और छुट्टा पशुओं द्वारा फसलों की बबार्दी का भी मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। संगठन ने साफ चेतावनी दी कि अगर आवारा पशुओं की समस्या पर काबू नहीं पाया गया, तो वे इन पशुओं को सरकारी कार्यालयों में छोड़ने को विवश होंगे।

इसके अलावा किसानों ने बिजली आपूर्ति व्यवस्था पर भी नाराजगी जताई। संगठन का कहना है कि सरकार द्वारा गांवों में 20 घंटे बिजली देने का दावा सिर्फ कागजों में सिमटकर रह गया है। बरसात के दिनों में भी बिजली कटौती आम हो गई है।

किसान यूनियन ने स्पष्ट किया कि यदि प्रशासन ने जल्द समस्याओं का समाधान नहीं किया, तो संगठन उग्र आंदोलन करेगा और उसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी।

स्योहारा में सनसनी: प्रेम विवाह के 8 साल बाद दिन दहाड़े पति ने पत्नी को चाकू मारे

(जीएनएस)।
बिजनौर।

शनिवार शाम स्योहारा क्षेत्र के नूरपुर मार्ग स्थित ठाठ चौराहे पर उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक युवक ने बीच सड़क पर अपनी ही पत्नी पर चाकुओं से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। यह हमला उस समय हुआ जब महिला ई-रिक्शा से अपने गांव लौट रही थी। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, घायल महिला की पहचान बबीता (28) निवासी अकबरपुर आशा उर्फ हरोली के रूप में हुई है। करीब 8 साल पहले बबीता ने गांव कासमाबाद निवासी राजवीर नामक युवक से प्रेम विवाह किया था। दोनों की दो बेटियां हैं, जिनमें से एक मां और दूसरी पिता के पास रहती है। विवाह के बाद कुछ वर्षों तक जीवन सामान्य रहा, लेकिन राजवीर की शराब की लत ने पारिवारिक रिश्तों में जहर घोल दिया। बताया गया कि शराब के लिए उसने अपना मकान तक बेच दिया, जिससे पूरा परिवार बेघर हो गया। घरेलू कलह और प्रताड़ना के चलते मामला कोर्ट तक जा पहुंचा।

शनिवार को बबीता अपने केस से जुड़े बयान देने सीओ ऑफिस धामपुर गई थी और वहां से लौटते समय जब वह ई-रिक्शा से ठाठ चौराहे के पास पहुंची, तभी राजवीर ने वहां अचानक बाइक से आकर रिक्शा रुकवाया और चाकुओं से बबीता पर हमला कर दिया। वारदात के बाद शोरगुल मचते ही आरोपी अपनी बाइक मौके पर छोड़कर फरार हो गया।

घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल महिला को राहगीरों की मदद से सीएचसी भिजवाया। बाद में उसे गंभीर हालत में हायर सेंटर रेफर किया गया। पीड़िता के भाई गौरव ने थाने में तहरीर दी है, जिसमें यह भी आरोप लगाया गया है कि राजवीर तीन दिन पहले चांदपुर के स्याऊ में भी फायरिंग की घटना को अंजाम दे चुका है और उसके खिलाफ कई गंभीर धाराओं में मामले दर्ज हैं।

स्योहारा थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि पीड़िता के भाई की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें गठित कर दी गई हैं और जल्द ही उसे पकड़ लिया जाएगा।

मंडावर में खेतों के बीच दिखा गुलदार, वीडियो वायरल, किसानों में दहशत का माहौल

(जीएनएस)।
बिजनौर।

जनपद बिजनौर के कस्बा मंडावर में शनिवार को खेतों में काम कर रहे किसानों के सामने अचानक गुलदार आ गया। खेत में मौजूद किसानों ने जैसे ही उसे देखा, अफरा-तफरी मच गई। शोर मचाने पर गुलदार भाग गया, लेकिन इस घटना के बाद से ग्रामीणों में भारी दहशत फैल गई है। किसान अब खेतों में अकेले जाने से कतरा रहे हैं और पशुओं के लिए चारा लाने तक में डर महसूस कर रहे हैं।

घटना का एक वीडियो भी सामने आया है, जो किसी किसान ने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया और वह सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया है। वीडियो में गुलदार को खेत में

घुसते और फिर भागते देखा जा सकता है।

बिजनौर जिले में गुलदार का आतंक कोई नया नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में गुलदार के हमलों में ढाई दर्जन से अधिक लोगों की जान जा चुकी है, जबकि सैकड़ों ग्रामीण घायल हो चुके हैं। गुलदार न केवल इंसानों, बल्कि पालतू मवेशियों पर भी हमले कर चुका है। हाल ही में नहटौर क्षेत्र में गुलदार ने एक मासूम बच्चे को निशाना बनाया था।

वन विभाग की ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। खेतों के आसपास पिंजरे लगाए गए हैं और ग्रामीणों को गुलदार से बचाव के लिए जागरूक किया जा रहा है।

क्षेत्रीय वन अधिकारी महेश गौतम ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे अकेले खेतों में न जाएं, शोर मचाते हुए काम करें और खेतों में काम करते समय मुखौटा लगाएं। उन्होंने कहा कि रात को खुले में सोने और खुले में शौच जाने से बचें। यदि किसी को गुलदार दिखाई दे तो तुरंत वन विभाग को सूचित करें।

ग्रामीणों की मांग है कि गुलदार को जल्द से जल्द पकड़ा जाए, ताकि क्षेत्र में फिर से सामान्य स्थिति बहाल हो सके।

रविन्द्र सिंह प्रदेश अध्यक्ष,अमित अग्रवाल प्रदेश महामंत्री और अरूण भाटिया बने अवध संभाग सचिव

अयोध्या।लघु उद्योग भारती, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रदेश कार्यकारणी एवं उद्यमी सम्मेलन का आयोजन दिनांक 02.08.2025 को ्रल्लरघुकुल सदनल्लल्ल देवकाली, अयोध्या में कार्यक्रम में मुख्य अतिथि घनश्याम ओझा, अखिल भारतीय अध्यक्ष, मार्गदर्शक श्रीप्रकाश, अखिल भारतीय संगठन मंत्री, राकेश गर्ग , अखिल भारतीय संयुक्त महामंत्री उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आरम्भ भारत माता चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलन व संगठन मंत्र के साथ किया गया। मधुसूदन दादू प्रदेश अध्यक्ष द्वारा कार्यक्रम की प्रस्तावना रखते हुये वर्ष 2023-25 की संगठन की गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात प्रदेश के सभी संभाग पदाधिकारियों द्वारा उनके कार्यकाल में हुई संगठन की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी। रमन चावला प्रदेश कोषाध्यक्ष व राघव सिंह प्रदेश सह कोषाध्यक्ष द्वारा वर्ष 2024-25 का लेखा विवरण प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात भरत थरड प्रदेश महामंत्री द्वारा संगठनात्मक वृत व प्रगति से अवगत कराया गया। प्रदेश अध्यक्ष द्वारा वर्तमान कार्यकारणी को भंग करने की घोषणा के साथ अखिल भारतीय अध्यक्ष एवं संयुक्त महामंत्री द्वारा प्रदेश की नई कार्यकारणी वर्ष 2025-27 घोषित की। रविन्द्र सिंह को प्रदेश अध्यक्ष व अमित अग्रवाल (मुरादाबाद) को प्रदेश महामंत्री तथा रमन चावला को प्रदेश कोषाध्यक्ष मनोनित किया, साथ ही अरूण भाटिया (लखनऊ) को अवध संभाग सचिव मनोनित किया गया जिस पर प्रदेश कार्यकारणी द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष द्वारा संगठन के उद्देश्य के

अनुरूप उद्योग हित, राष्ट्र हित की भावना के साथ सभी इकाईयों के सहयोग के साथ संगठन में काम करने हेतु अश्वस्त किया गया तथा सभी का आभार व्यक्त किया गया। राकेश गर्ग अखिल भारतीय संयुक्त महामंत्री व अखिल भारतीय अध्यक्ष घनश्याम ओझा द्वारा प्रदेश में संगठन की प्रगति पर हर्ष व्यक्त करते हुये नई टीम को उर्जा के साथ उद्यमी हित में कार्य किये जाने की अपेक्षा की। अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्रीप्रकाश जो कि संगठन के मार्गदर्शक हैं के द्वारा अपने संबोधन में संगठन की 32 वर्षीय यात्रा और अपेक्षाओं से अवगत कराया गया। अयोध्या इकाई के अध्यक्ष संजीव कुमार गोयल द्वारा नई अयोध्या कार्यकारणी का परिचय कराया गया तथा सभी नामित पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। कार्यकारणी में संजय मदान, अजय खन्ना उपाध्यक,विक्रम माकिन जिला महामंत्री,स्तुति चद्रा संयुक्त मंत्री, कोषाध्यक्ष आशीश आनन्द व मीडिया प्रभारी अरूण अग्रवाल वर्ष 2025-27 के लिये नामित किये गये है। कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में औद्योगिक संगोष्ठी का आयोजन कार्यक्रम के प्रयोजक भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (सीडबी) के साथ किया गया। राजीव कुमार महाप्रबन्धक, सिडबी द्वारा सूक्ष्म, लघु उद्योगों के लिये सरकार द्वारा उपलब्ध करायी जा रहीं विभिन्न वित्तीय योजनाओं की जानकारी उपलबध करायी गयी तथा उद्यमियों की शंकाओं का समाधान किया गया। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के रूद्रेश कुमार वैज्ञानिक अधिकारी द्वारा रक्षा उत्पादों के साथ सूक्ष्म, लघु उद्योगों की संबधता संबन्धि चर्चा की गयी। यूपीकोन के उपस्थित देवदत्त पाण्डेय व विशाल चंदानी द्वारा ईएसडी व रैम्प विषयों पर जानकारी दी गयी, उसका उद्देश्य उद्योगों के प्रदर्शन में सुधार करना है। उद्योगों से संबन्धित रैम्प योजना के अन्तर्गत उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी उपलब्ध करायी गयी। वातावरण स्वच्छता के संबन्ध में जतिन मित्तल द्वारा किये जाने वाले प्रयासों के सम्बन्ध में उद्यमियों को अवगत कराया गया। दूसरे सत्र के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंत्री अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास नन्द गोपाल गुप्ता ल्लनन्दील्ल रहें। प्रदेश महामंत्री द्वारा मंत्री के समक्ष उद्योगों की समस्याओं को प्रदिर्शत किया गया जिसपर विचार करते हुये सरकार की ओर से शीघ्र कार्यवाही का आश्वासन दिया गया। तथा उद्यमियों से परिचर्चा के दौरान लघु उद्योग भारती के औद्योगिक विकास सम्बन्धी कार्यो की सराहना की।

मंत्री द्वारा अयोध्या इकाई के नये सदस्यों को प्रमाण पत्र वितरित करते हुये प्रदेश के 03 उद्योगों को उनके कार्य हेतु सम्मानित किया गया योगेश गोस्वामी, मैसर्स गायत्री पैकजिंग इंडस्ट्रीज, अलीगढ़ , अंशुमन कुमार अग्रवाल, मैसर्स इंडियन डाई कास्टिंग इंडस्ट्रीज, अलीगढ़, ऋषभ गर्ग, एम0आर0एस0 कारपोरेशन, अलीगढ़ मंत्री ने अपने उद्बोधन में बताया कि प्रदेश सरकार उद्यमियों की समस्याओं के विषय में संवेदनशील है और समस्याओं के निराकरण की व्यवस्था शासन स्तर से की गयी है। उद्योगो के लिये प्रारम्भ की गयी नयी योजनाओं का लाभ सभी उद्यमियों को मिलना चाहिये। नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष द्वारा धन्यवाद ज्ञापन करते हुये कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन लघु उद्योग भारती अयोध्या टीम द्वारा किया गया।

मंडल रेल प्रबंधक से मिले निशातगंज व्यापारीयो की समस्या का समाधान करने की की मांग

लखनऊ - अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारी निशातगंज क्षेत्र में रेलवे द्वारा आवंटित भूखंड स्वामियों को पुनः नीलामी की नोटिस दिए जाने के विरोध मे राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार संदीप बंसल के नेतृत्व मेंमंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल से मिले '

संदीप बंसल ने कहा कि इस संदर्भ में देश के यशस्वी रक्षा मंत्री और लखनऊ के लोकप्रिय सांसद राजनाथ सिंह जी द्वारा स्पष्ट रूप से नीलामी प्रक्रिया को स्थगित किए जाने पर अपनी सहमति व्यक्त कर दी गई है उसके पश्चात भी विभागीय स्तर पर कुछ अधिकारी कर्मचारी व्यापारियों को गुमराह कर रहे हैं जो उचित नहीं है '

संदीप बंसल ने मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल से निशातगंज क्षेत्र की नीलामी को माननीय रक्षा मंत्री जी की मंशा के अनुसार तत्काल स्थगित किए जाने की मांग की और व्यापारियों को इस तनाव से मुक्त करने को कहा ''

मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने बताया कि संदर्भ में रक्षा मंत्री जी की तरफ से उनको संदेश प्राप्त हो चुका है उनका प्रयास यही रहेगा कि व्यापारियों को किसी भी प्रकार की आसुविधा का सामना न करना पड़े'

मंडल रेल प्रबंधक से मिलने वालो में अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के लखनऊ महानगर अध्यक्ष सुरेश छाबलानी, प्रदेश संगठन मंत्री जावेद बेग, युवा प्रदेश महामंत्री आकाश गौतम, निशातगंज महामंत्री विपिन अग्रवाल प्रमुख रूप से शामिल रहे।

सुरेश छाबलानी, अध्यक्ष
अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल

एनआईईएलआईटी और डीजीआर ने कौशल और प्लेसमेंट के माध्यम से दिग्गजों के लिए दूसरे करियर की सुविधा के लिए सहयोग किया

14 कंपनियों ने अपनी-अपनी कंपनियों में 250 से अधिक नौकरी के लिए उम्मीदवारों की छंटनी की

(जीएनएस)।

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइएलआईटी) के दिल्ली, रोपड़ और जम्मू परिसरों ने पुनर्वास महानिदेशालय (डीजीआर) के सहयोग से 2 अगस्त 2025 को एनआइएलआईटी दिल्ली-जनकपुरी केंद्र में डीजीआर रोजगार मेला 2025 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। रोजगार मेला एनआइएलआईटी दिल्ली, जम्मू और रोपड़ परिसर में प्रशिक्षित डीजीआर उम्मीदवारों के लिए रोजगार के अवसरों को सुविधाजनक बनाने के लिए आयोजित किया गया था। 14 कंपनियों ने अपनी संबंधित कंपनियों में 250 से अधिक नौकरी के लिए उम्मीदवारों की छंटनी की। रोजगार मेले के लिए 190 से अधिक अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया था।

इस कार्यक्रम ने उन सेवारत और पूर्व सैनिकों को सार्थक रोजगार के अवसर प्रदान किए जिन्होंने एनआइएलआईटी के विभिन्न आईटी और उभरते प्रौद्योगिकी क्षेत्र में प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

एनआइएलआईटी के निदेशक (योजना एवं कौशल) और मुख्य परीक्षा नियंत्रक डॉ. आलोक त्रिपाठी ने गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया और प्रशिक्षण और रोजगार प्राप्त करने के बीच के अंतर को पाटने के लिए एनआइएलआईटी की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

मुख्य अतिथि, एनआइएलआईटी दिल्ली के कार्यकारी निदेशक श्री सुभांशु तिवारी ने दीप प्रज्ज्वलित करने के साथ समारोह और प्रेरक भाषण से मेले का उद्घाटन किया। अपने भाषण में, उन्होंने राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में दिग्गजों के लिए कौशल-आधारित प्रशिक्षण और प्लेसमेंट सुविधा की भूमिका पर बल दिया। उन्होंने अपने भाषण में इस बात पर प्रकाश डाला कि वर्दी से एक नई पेशेवर पहचान के रूप में परिवर्तन एक महत्वपूर्ण और अक्सर चुनौतीपूर्ण चरण है। एनआइएलआईटी में हमारा दृढ़ विश्वास है कि इस परिवर्तन में सहायता करना हमारा उत्तरदायित्व तथा वास्तव में हमारा सौभाग्य है। यह रोजगार मेला केवल एक भर्ती कार्यक्रम से कहीं अधिक है। उन्होंने वीरता और व्यवसाय के बीच एक सेतु और समर्पण के उत्सव पर भी बल दिया जो सशस्त्र बलों से सेवानिवृत्ति के साथ समाप्त नहीं होता है। उन्होंने दिल्ली में रोजगार मेला सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए एनआइएलआईटी दिल्ली की टीम के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने रोजगार मेले में भाग लेने वाली कंपनियों को भी धन्यवाद दिया।

ग्रुप कैप्टन संजय रॉय, निदेशक (प्रशिक्षण), डीजीआर, और लेफ्टिनेंट कर्नल जयदीप सिंह, संयुक्त निदेशक (प्रशिक्षण), डीजीआर, रोजगार मेला 2025 में सम्मानित अतिथि थे। रोजगार मेला 2025 में भाग लेने वाले पूर्व सैनिकों को संबोधित करते हुए, ग्रुप कैप्टन संजय रॉय, निदेशक (प्रशिक्षण), पुनर्वास महानिदेशालय (डीजीआर) ने निरंतर कौशल विकास के महत्व पर बल दिया और आश्वासन दिया कि डीजीआर उम्मीदवारों की रोजगार क्षमता को और बढ़ाने के लिए भविष्य में और अधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने

रोजगार मेला आयोजित करने तथा पूर्व सैनिकों को प्रतिष्ठित नियोक्ताओं के साथ जुड़ने के लिए एक मूल्यवान मंच प्रदान करने के लिए एनआइएलआईटी की भी प्रशंसा की।

रोजगार मेला में साइबरपीस, कैडोको, जी4एस, आरआरगौर्डस, सिद्धि इन्फोनेट, स्टालवार्ट ग्रुप, ट्रिग, सिसप्रोसेगुर, ऑनफिनिटी टेक्नोलॉजीज और अन्य कंपनियों सहित प्रतिष्ठित नियोक्ताओं ने भाग लिया। इन कंपनियों ने आईटी सपोर्ट, साइबर सुरक्षा, लॉजिस्टिक्स, प्रशासन और डिजिटल सेवाओं में पदों, विशेष रूप से अनुभवी उम्मीदवारों के कौशल के लिए खानपान की पेशकश की।

इस कार्यक्रम में पूर्व रक्षा कर्मियों ने उत्साहपूर्ण भाग लिया, जिन्होंने प्रदान किए गए समर्थन और अवसरों के लिए आभार व्यक्त किया।

रोजगार मेला सरकारी संस्थानों और कॉर्पोरेट क्षेत्र के बीच एक अनूठी साझेदारी का प्रतीक है, जो पूर्व सैनिकों को स्थायी करियर पथों के साथ सशक्त बनाता है। यह कार्यक्रमः "आपने हमारी रक्षा की - अब हम आपको सशक्त बनाते हैं, विषय के साथ प्रतिध्वनित हुआ।

एनआइएलआईटी के बारे में

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइएलआईटी), जिसे पहले डीओईएससी सोसाइटी के नाम से जाना जाता था, एक स्वायत्त वैज्ञानिक सोसायटी है जो इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन कार्य करती है। सूचना, इलेक्ट्रॉनिकी और संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) के क्षेत्र में मानव संसाधन विकास और संबद्ध गतिविधियों को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से स्थापित, एनआइएलआईटी ने देश भर में डिजिटल साक्षरता और तकनीकी शिक्षा को बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

एनआइएलआईटी आईईसीटी क्षेत्र में औपचारिक तथा अनौपचारिक शिक्षा में सक्रिय रूप से संलग्न है।

शेरकोट में ड्यूटी के दौरान होमगार्ड की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

(जीएनएस)।
बिजनौर।

शेरकोट में कांवड़ यात्रा की ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड मदनपाल सिंह (50) की ड्यूटी के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वे राजपूताना रिसोर्ट के सामने अस्थायी पुलिस शिविर में नियुक्त थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह अचानक उनके मुंह और नाक से खून निकलने लगा। तुरंत उन्हें सीएचसी ले

जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

मदनपाल सिंह ग्राम मकसूदाबाद, थाना अफजलगढ़ के निवासी थे। घटना की खबर मिलते ही विभागीय साथियों में शोक की लहर फैल गई।

थानाध्यक्ष पुष्पेंद्र कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद ही मृत्यु के सही कारण का पता चल सकेगा। परिजनों को सूचना दे दी गई है और प्रशासन की ओर से संवेदना प्रकट की गई है।